चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	7.7.22	2	1-4

वन महोत्सव • एचएयू के होम सांइस कॉलेज में कुलपति ने किया पौधरोपण

जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने के लिए वृक्षों की संख्या बढ़ाना जरूरी : काम्बोज

सिटी रिपोर्टर • चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि जलवायु परिवर्तन 21वीं सदी की एक बड़ी चुनौती है जिससे निपटने के लिए अन्य उपायों के साथ-साथ वृक्षों की संख्या बढ़ाना अति आवश्यक है। वह बुधवार को विश्वविद्यालय में वन महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर बोल रहे थे।

वीसी ने कहा कि जलवायु परिवर्तन में सबसे अधिक योगदान कार्बन डाइऑक्साइड गैस का है लेकिन पेड़-पौधे इसे अवशोषित करके इसको जीवनदायिनी ऑक्सीज़न गैस में परिवर्तित कर वातावरण को शुद्ध करते हैं। उन्होंने कहा कि वृक्षों का हमारे जीवन से गहरा संबंध है। ये हमें मूल्यवान प्राणवायु, फल-फूल, औषधियां जैसे जीवन के लिए जरूरी वस्तुएं प्रदान करते हैं। इस मौके पर उन्होंने इन्दिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय परिसर में कचनार का पौधा रोपित करके वन महोत्सव का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय व लैंडस्केप इकाई द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था। इन्दिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान कॉलेज की डीन डॉ. मंजु महता ने बताया कि पौधरोपण कार्यक्रम के दौरान 450 पौधे रोपित लगाए गए। इस अवसर पर लैंडस्केप इकाई के नियंत्रक अधिकारी डॉ. पवन कुमार डॉ. एसके महता, डॉ. अतुल ढींगड़ा सहित सभी अधिष्ठाताओं, निदेशकों, अधिकारियों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों ने भी पौधे लगाए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	7.7.22	9	4-8

पौधारोपण

कुलपति ने किया होम साइंस कालेज में वन महोत्सव का शुभारंभ

जलवायु परिवर्तन 21वीं सदी की एक बड़ी चुनौती वृक्षों का बढ़ाना जरूरी

जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने के लिए वृक्षों की संख्या बढ़ाना जरूरी : काम्बोज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

जलवायु परिवर्तन 21वीं सदी की एक बड़ी चुनौती है जिससे निपटने के लिए अन्य उपायों के साथ-साथ वृक्षों की संख्या बढ़ाना अति आवश्यक है। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कही। वे बुधवार को विश्वविद्यालय में वन महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर बोल रहे थे। कुलपति ने कहा कि जलवायु परिवर्तन में सबसे अधिक योगदान कार्बन डाइआक्साइड गैस का है लेकिन पेड़-पौधे इसे अवशोषित करके इसको जीवनदायिनी ऑक्सीजन गैस में परिवर्तित कर वातावरण को शुद्ध करते हैं। उन्होंने कहा वृक्षों का हमारे जीवन से गहरा संबंध है। ये हमें मूल्यवान प्राणवायु, फल-फूल, औषधियां जैसे जीवन के लिए जरूरी वस्तुएं प्रदान करते हैं लेकिन मनुष्य विकास के नाम पर वनों को समाप्त कर रहा है जिससे हमारे जीवन के लिए जोखिम बढ़ रहा है। इस मौके पर उन्होंने इन्दिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय परिसर में कचनार का पौधा रोपित करके वन महोत्सव का शुभारंभ किया।

हिसार। पौधरोपण के पश्चात कुलपति के साथ महाविद्यालय की डीन व छत्राएं।

450 पौधे रोपित किए

इस मौके पर इन्दिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की डीन डॉ. मंजू महता ने बताया कि पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान कुल 450 पौधे रोपित किए गए जिनमें अधिकारियों के साथ-साथ छात्राओं ने भी पौधारोपण किया व उनकी देखरेख की जिम्मेवारी महाविद्यालय की छात्राओं को सौंपी गई। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. एसके महता, विशेष कार्य अधिकारी डॉ. अतुल ढींगड़ा, लैंडस्केप इकाई के नियंत्रक अधिकारी डॉ. पवन कुमार सहित विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाताओं, निदेशकों, अधिकारियों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों ने भी पौधे रोपित किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	7.7.22	3	7-8

वन महोत्सव : होम साइंस कॉलेज में लगाए 450 पौधे

एचएयू में वन महोत्सव का शुभारंभ करते कुलपति प्रो. बीआर कांबोज। संवाद

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। जलवायु परिवर्तन 21वीं सदी की एक बड़ी चुनौती है, जिससे निपटने के लिए अन्य उपायों के साथ-साथ पेड़-पौधों की संख्या बढ़ाना अति आवश्यक है। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कही। वे आज विश्वविद्यालय में वन महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर बोल रहे थे। इस दौरान कॉलेज परिसर में 450 पौधे लगाए गए।

कुलपति ने कहा कि हर खाली स्थान पर अधिक से अधिक पेड़ लगाने की आवश्यकता है। पौधरोपण को एक सामाजिक अभियान के तौर पर लिया जाना चाहिए। प्रत्येक नागरिक को इसमें अपना योगदान देना चाहिए और ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने चाहिए। इसके साथ नव रोपित पौधों की पूरी देखरेख की जानी चाहिए ताकि वृक्षारोपण का उद्देश्य पूर्ण हो सके। इस मौके पर उन्होंने इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय परिसर में कचनार का पौधा रोपित करके वन महोत्सव का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय व लैंडस्केप इकाई द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था। महाविद्यालय की डीन डॉ. मंजु महता ने बताया कि पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान कुल 450 पौधे रोपित किए गए। जिनकी देखरेख की जिम्मेवारी छात्राओं को सौंपी गई। लैंडस्केप इकाई के नियंत्रक अधिकारी डॉ. पवन कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय में पौधारोपण का यह कार्यक्रम आगे भी जारी रहेगा। इस अवसर पर उपस्थित कुलसचिव डॉ. एसके महता व विशेष कार्य अधिकारी डॉ. अतुल ढींगड़ा मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	7.7.22	5	1-2

हकृवि में वन महोत्सव का शुभारंभ

हिसार स्थित हकृवि में बुधवार को वन महोत्सव का शुभारंभ करते कुलपति प्रो.बीआर काम्बोज व छात्राएं। -निस

हिसार (निस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) में आज वन महोत्सव के शुभारंभ किया गया। कुलपति प्रो.बीआर काम्बोज ने कहा कि जलवायु परिवर्तन 21वीं सदी की एक बड़ी चुनौती है, जिससे निपटने के लिए अन्य उपायों के साथ-साथ वृक्षों की संख्या बढ़ाना अति आवश्यक है। उन्होंने इन्दिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय परिसर में करनार का पौधा रोपित करके वन महोत्सव का शुभारंभ किया। इन्दिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की डीन डॉ मंजु महता ने बताया कि पौधरोपण कार्यक्रम के दौरान 450 पौधे रोपित किए गए। इनमें अधिकारियों के साथ छात्राओं ने भी पौधरोपण किया। छात्राओं को देखरेख की जिम्मेवारी भी सौंपी गयी। इस मौके पर लैंडस्केप इकाई के नियंत्रक अधिकारी डॉ.पवन भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	7.7.22	8	1-3

जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने के लिए वृक्षों की संख्या बढ़ाना ज़रूरी : कुलपति प्रो. काम्बोज

हिसार, 6 जुलाई (विरेंद्र वर्मा) : जलवायु परिवर्तन 21वीं सदी की एक बड़ी चुनौती है जिससे निपटने के लिए अन्य उपायों के साथ-साथ वृक्षों की संख्या बढ़ाना अति आवश्यक है। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कही। वे आज विश्वविद्यालय में वन महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर बोल रहे थे।

कुलपति ने कहा कि जलवायु परिवर्तन में सबसे अधिक योगदान कार्बन डाइआक्साइड गैस का है लेकिन पेड़-पौधे इसे अवशोषित करके इसको जीवनदायिनी ऑक्सीजन गैस में परिवर्तित कर वातावरण को शुद्ध करते हैं। उन्होंने कहा वृक्षों का हमारे जीवन से गहरा संबंध है। ये हमें मूल्यवान प्राणवायु, फल-फूल, औषधियां जैसे जीवन के लिए जरूरी वस्तुएं प्रदान करते हैं लेकिन मनुष्य विकास के नाम पर वनों को समाप्त कर रहा है जिससे हमारे जीवन के लिए जोखिम बढ़ रहा है। इसलिए हर खाली स्थान पर अधिक से अधिक पेड़ लगाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण को एक सामाजिक अभियान के तौर पर लिया जाना चाहिए और प्रत्येक नागरिक को इसमें अपना योगदान देना चाहिए और ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने चाहिए। इसके साथ नव रोपित पौधों की

कुलपति ने किया होम साइंस कालेज में वन महोत्सव का शुभारंभ

पूरी देखरेख की जानी चाहिए ताकि वृक्षारोपण का उद्देश्य पूर्ण हो सके। इस मौके पर उन्होंने इन्दिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय परिसर में कचनार का पौधा रोपित करके वन महोत्सव का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय व लैंडस्केप इकाई द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था। उन्होंने लैंडस्केप इकाई से विश्वविद्यालय में पहले से लगे वृक्षों की कटाई-छंटाई करके उन्हें और सुंदर बनाने तथा विशेष स्थलों पर विशेष किस्म के पौधे रोपित करने को कहा। इस मौके पर इन्दिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की डीन डॉ. मंजू महता ने बताया कि पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान कुल 450 पौधे रोपित किए गए जिनमें अधिकारियों के साथ-साथ छात्राओं ने भी पौधारोपण किया व उनकी देखरेख की जिम्मेवारी महाविद्यालय की छात्राओं को सौंपी गई। लैंडस्केप इकाई के नियंत्रक अधिकारी डॉ. पवन कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय में पौधारोपण का यह कार्यक्रम आगे भी जारी रहेगा जिसके अंतर्गत विशेषकर उन स्थानों पर जहां कम पेड़ हैं वहां बहु-उद्देशीय देशज प्रजातियों के पौधे रोपित किए जाएंगे। इस अवसर पर उपस्थित कुलसचिव डॉ. एस.के. महता व विशेष कार्य अधिकारी डॉ. अतुल ढींगड़ा सहित विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाताओं, निदेशकों, अधिकारियों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों ने भी पौधे रोपित किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	1.7.22	4	5-6

जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए वृक्षों की संख्या बढ़ाना जरूरी

जागरण संवाददाता, हिसार: जलवायु परिवर्तन 21वीं सदी की एक बड़ी चुनौती है, जिससे निपटने के लिए अन्य उपायों के साथ-साथ वृक्षों की संख्या बढ़ाना अति आवश्यक है। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कही। वे विश्वविद्यालय में वन महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर बोल रहे थे। कुलपति ने कहा कि जलवायु परिवर्तन में सबसे अधिक योगदान कार्बन डाइआक्साइड गैस का है लेकिन पेड़-पौधे इसे अवशोषित करके इसको जीवनदायिनी आक्सीजन गैस में परिवर्तित कर वातावरण को शुद्ध करते हैं। उन्होंने कहा वृक्षों का हमारे जीवन से गहरा संबंध है। ये हमें मूल्यवान प्राणवायु, फल-फूल, औषधियां जैसे जीवन के लिए जरूरी वस्तुएं प्रदान करते हैं लेकिन मनुष्य विकास के नाम पर वनों को समाप्त कर रहा है जिससे हमारे जीवन के लिए जोखिम बढ़ रहा है। इस मौके पर उन्होंने इन्दिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय परिसर में कचनार का पौधा रोपित करके वन महोत्सव का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय व लैंडस्केप इकाई द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था। उन्होंने लैंडस्केप इकाई से विश्वविद्यालय में पहले से लगे वृक्षों की कटाई-छंटाई करके उन्हें और सुंदर बनाने तथा विशेष स्थलों पर विशेष किस्म के पौधे रोपित करने को कहा। इस मौके पर इन्दिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की डीन डा. मंजु महता ने बताया कि पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान कुल 450 पौधे रोपित किए गए। जिनमें अधिकारियों के साथ-साथ छात्राओं ने भी पौधारोपण किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	06.07.2022	------	--------

जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने के लिए वृक्षों की संख्या बढ़ाना जरूरी : वीसी

कुलपति प्रो. काम्बोज ने किया होम साइंस कालेज में वन महोत्सव का शुभारंभ

चिराग टाइम्स न्यूज

हिसार। जलवायु परिवर्तन 21वीं सदी की एक बड़ी चुनौती है जिससे निपटने के लिए अन्य उपायों के साथ-साथ वृक्षों की संख्या बढ़ाना अति आवश्यक है। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कही। वे आज विश्वविद्यालय में वन महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर बोल रहे थे।

कुलपति ने कहा कि जलवायु परिवर्तन में सबसे अधिक योगदान कार्बन डाइआक्साइड गैस का है लेकिन पेड़-पौधे इसे अवशोषित करके इसको जीवनदायिनी ऑक्सीजन गैस में परिवर्तित कर वातावरण को शुद्ध करते हैं। उन्होंने कहा वृक्षों का हमारे जीवन से गहरा संबंध है। वे हमें मूल्यवान प्राणवायु, फल-फूल, औषधियां जैसे जीवन के लिए जरूरी वस्तुएं प्रदान करते हैं लेकिन मनुष्य विकास के नाम पर वनों को समाप्त कर रहा है जिससे हमारे जीवन के लिए जोखिम बढ़ रहा है। इसलिए हर खाली स्थान पर अधिक से अधिक पेड़ लगाने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण को एक सामाजिक अभियान के तौर पर लिया जाना चाहिए और प्रत्येक नागरिक को इसमें अपना योगदान देना चाहिए और ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने चाहिए। इसके साथ नव रोपित पौधों की पूरी देखरेख की जानी चाहिए ताकि वृक्षारोपण का उद्देश्य पूर्ण हो सके।

इस मौके पर उन्होंने इन्दिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय परिसर में कचनार का पौधा रोपित करके वन महोत्सव का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय व लैंडस्केप इकाई द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था। उन्होंने लैंडस्केप इकाई से विश्वविद्यालय में पहले से लगे वृक्षों की कटाई-छंटाई करके इन्हें और सुंदर बनाने तथा विशेष स्थलों पर विशेष किस्म के पौधे रोपित करने को कहा।

इस मौके पर इन्दिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की डीन डॉ. मंजु महता ने बताया कि पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान कुल 450 पौधे रोपित किए गए। लैंडस्केप इकाई के नियंत्रक अधिकारी डॉ. पवन कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय में पौधारोपण का यह कार्यक्रम आगे भी जारी रहेगा। इस अवसर पर उपस्थित कुलसचिव डॉ. एस.के. महता व विशेष कार्य अधिकारी डॉ. अतुल ढींगड़ा सहित विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाताओं, निदेशकों, अधिकारियों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों ने भी पौधे रोपित किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	07.07.2022	------	--------

जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने के लिए वृक्षों की संख्या बढ़ाना जरूरी: कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार : जलवायु परिवर्तन 21वीं सदी की एक बड़ी चुनौती है जिससे निपटने के लिए अन्य उपायों के साथ-साथ वृक्षों की संख्या बढ़ाना अति आवश्यक है।

यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कही। वे आज विश्वविद्यालय में वन महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर बोल रहे थे। कुलपति ने कहा कि जलवायु परिवर्तन में सबसे अधिक योगदान कार्बन डाइआक्साइड गैस का है लेकिन पेड़-पौधे इसे अवशोषित करके इसको जीवनदायिनी ऑक्सीजन गैस में परिवर्तित कर वातावरण को शुद्ध करते हैं। उन्होंने कहा वृक्षों का हमारे जीवन से गहरा संबंध है। ये हमें मूल्यवान प्राणवायु, फल-फूल, औषधियां जैसे जीवन के लिए जरूरी वस्तुएं प्रदान करते हैं लेकिन मनुष्य विकास के नाम पर वनों को समाप्त कर रहा है जिससे हमारे जीवन के लिए जोखिम बढ़ रहा है। इसलिए हर खाली स्थान पर अधिक से अधिक पेड़ लगाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण को एक सामाजिक अभियान के तौर पर लिया जाना चाहिए और प्रत्येक नागरिक को इसमें अपना योगदान देना चाहिए और ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने चाहिए। इसके साथ नव रोपित पौधों की पूरी देखरेख की जानी चाहिए ताकि वृक्षारोपण का उद्देश्य पूर्ण हो सके। इस मौके पर उन्होंने इन्दिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय परिसर में कचनार का पौधा रोपित करके वन महोत्सव का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय व लैंडस्केप इकाई द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था। उन्होंने लैंडस्केप इकाई से विश्वविद्यालय में पहले से लगे वृक्षों की कटाई-छंटाई करके उन्हें और सुंदर बनाने तथा विशेष स्थलों पर विशेष किस्म के पौधे रोपित करने को कहा। इस मौके पर इन्दिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की डीन डॉ. मंजु महता ने बताया कि पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान कुल 450 पौधे रोपित किए गए जिनमें अधिकारियों के साथ-साथ छात्राओं ने भी पौधारोपण किया।

कुलपति ने किया होम सांइस कालेज में वन महोत्सव का शुभारंभ

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	06.07.2022	------	--------

जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने के लिए वृक्षों की संख्या बढ़ाना जरूरी : कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। जलवायु परिवर्तन 21वीं सदी की एक बड़ी चुनौती है जिससे निपटने के लिए अन्य उपायों के साथ-साथ वृक्षों की संख्या बढ़ाना अति आवश्यक है। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कही। वे आज विश्वविद्यालय में वन महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर बोल रहे थे। कुलपति ने कहा कि जलवायु परिवर्तन में सबसे अधिक योगदान कार्बन डाइआक्साइड गैस का है लेकिन पेड़-पौधे इसे अवशोषित करके इसको जीवनदायिनी ऑक्सीजन गैस में परिवर्तित कर वातावरण को शुद्ध करते हैं। उन्होंने कहा वृक्षों का हमारे जीवन से गहरा संबंध है। ये हमें मूल्यवान प्राणवायु, फल-फूल, औषधियों जैसी जीवन के लिए जरूरी वस्तुएं प्रदान करते हैं लेकिन मनुष्य विकास के नाम पर वनों को समाप्त कर रहा है जिससे हमारे जीवन के लिए जोखिम बढ़ रहा है। इसलिए हर खाली स्थान पर अधिक से अधिक पेड़ लगाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण को एक सामाजिक अभियान के तौर पर लिया जाना चाहिए और प्रत्येक नागरिक को इसमें अपना योगदान देना चाहिए और ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने चाहिए। इसके साथ नव रोपित पौधों की पूरी देखरेख की जानी चाहिए ताकि वृक्षारोपण का उद्देश्य पूर्ण हो सके। इस मौके पर उन्होंने इन्दिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय परिसर में कचनार का पौधा रोपित करके वन महोत्सव का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय व लैंडस्केप इकाई द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था। उन्होंने लैंडस्केप इकाई से विश्वविद्यालय में पहले से लगे वृक्षों की कटाई-छंटाई करके उन्हें और सुंदर बनाने तथा विशेष स्थलों पर विशेष किस्म के पौधे रोपित करने को कहा। इस मौके पर इन्दिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की डीन डॉ. मंजु महता ने बताया कि

पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान कुल 450 पौधे रोपित किए गए जिनमें अधिकारियों के साथ-साथ छात्राओं ने भी पौधारोपण किया व उनकी देखरेख की जिम्मेवारी महाविद्यालय की छात्राओं को सौंपी गई। लैंडस्केप इकाई के निर्यायक अधिकारी डॉ. पवन कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय में पौधारोपण का यह कार्यक्रम आगे भी जारी रहेगा जिसके अंतर्गत विशेषकर उन स्थानों पर जहां कम पेड़ हैं वहां बहु-उद्देशीय देशज प्रजातियों के पौधे रोपित किए जाएंगे। इस अवसर पर उपस्थित कुलसचिव डॉ. एस.के. महता व विशेष कार्य अधिकारी डॉ. अतुल ढींगड़ा सहित विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाताओं, निदेशकों, अधिकारियों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों ने भी पौधे रोपित किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	06.07.2022	------	--------

पौधरोपण को सामाजिक अभियान के तौर पर लिया जाए : कुलपति

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। जलवायु परिवर्तन 21वीं सदी की एक बड़ी चुनौती है जिससे निपटने के लिए अन्य उपायों के साथ-साथ वृक्षों की संख्या बढ़ाना अति आवश्यक है। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कही। वे आज विश्वविद्यालय में वन महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि पौधरोपण को एक सामाजिक अभियान के तौर पर लिया जाना चाहिए और प्रत्येक नागरिक को इसमें अपना योगदान देना चाहिए और ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने चाहिए। इसके साथ नव रोपित पौधों की पूरी देखरेख की जानी चाहिए ताकि वृक्षारोपण का उद्देश्य पूर्ण हो सके। इस मौके पर उन्होंने इन्दिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय परिसर में कचनार का पौधा रोपित करके वन महोत्सव का शुभारंभ किया। इस मौके पर इन्दिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की डीन डॉ. मंजु महता ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान 450 पौधे रोपित किए गए। लैंडस्केप इकाई के नियंत्रक अधिकारी डॉ. पवन कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय में पौधारोपण का यह कार्यक्रम आगे भी जारी रहेगा जिसके अंतर्गत विशेषकर उन स्थानों पर जहां कम पेड़ हैं वहां बहु-उद्देशीय देशज प्रजातियों के पौधे रोपित किए जाएंगे। इस अवसर पर उपस्थित कुलसचिव डॉ. एस.के. महता, विशेष कार्य अधिकारी डॉ. अतुल ढींगड़ा, डॉ. पवन कुमार सहित विश्वविद्यालय ने भी पौधे रोपित किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
आनन्द धारा	06.07.2022	-------	---------

आनन्द धारा 'साप्ताहिक'

कुलपति ने आईआईएम जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में चयनित होने पर विद्यार्थियों व शिक्षकों को दी बधाई

आनन्द धारा, संवाददाता

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 19 छात्रों का राष्ट्रीय स्तर के प्रबंधन संस्थानों में दाखिला हुआ है। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विद्यार्थियों को बधाई दी व उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए बड़े गर्व की बात है कि एक साथ इतने विद्यार्थियों का आईआईएम, इरमा, निआम व नारम जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में चयन हुआ है। इसके लिए उन्होंने विद्यार्थियों के कठिन परिश्रम व विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा दिए गए मार्गदर्शन को श्रेय दिया है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों द्वारा दिया गया मार्गदर्शन व विद्यार्थियों का प्रयास निरंतर विश्वविद्यालय को नित नई ऊंचाइयों पर ले जा रहा है। पिछले कई वर्षों से लगातार विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों का राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित संस्थानों में चयन हो रहा है जोकि बड़े गर्व की बात है जिनमें वर्ष 2019 में 3, 2020 में 9 और 2021 में 20 विद्यार्थियों का चयन हो चुका है।

इन विद्यार्थियों का हुआ चयन

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि इरमा (ग्रामीण प्रबंधन संस्थान, आणंद, गुजरात) में ख्याति, मौलश्री चावला, प्रिया, शशि, अंकुश, शिवम, सुमित, हर्षिता तथा पारस का चयन हुआ है। इसी प्रकार कोमल व सुरेश का निआम (राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान, जयपुर) में तथा श्रेया गर्ग व पूनम का नारम (राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंधन अकादमी, हैदराबाद) में दाखिला हुआ है। इनके अलावा आईआईएम (भारतीय प्रबंधन संस्थान) में चयनित होने वाले विद्यार्थियों में विजय, आशीष मान, दीपक जांगड़ा, कपिल, नितिश जांगड़ा व अंकित शामिल हैं।

नेहरू पुस्तकालय का अहम् योगदान

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने बताया कि आईआईएम में चयनित होने वाले विद्यार्थी मध्यमवर्गीय व किसान परिवारों से संबंध हैं। विश्वविद्यालय का नेहरू पुस्तकालय विद्यार्थियों के लिए वरदान साबित हुआ। विद्यार्थियों अनुसार दिन में कॉलेज की कक्षाएं खत्म होने के बाद देर रात तक पुस्तकालय में अपनी पढ़ाई जारी रखते थे। विश्वविद्यालय के पुस्तकालय में इस तरह की प्रतियोगी प्रतियोगिताओं के लिए बहुत ही लाभदायक सामग्री मौजूद है, जो विद्यार्थियों के बहुत काम आई।

काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल ने किया मार्गदर्शन

विश्वविद्यालय में स्थापित काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सैल का भी विद्यार्थियों की इस सफलता के पीछे योगदान रहा है। चयनित होने वाले विद्यार्थियों के अनुसार अतिरिक्त छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अनिल कुमार ढाका द्वारा काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल के माध्यम से समय-समय पर आयोजित सेमिनार, वर्कशॉप, काउंसलिंग, मोटिवेशनल सेशन, आदान-प्रदान प्रशिक्षण, प्री-डिनर टॉक इन हॉस्टल, प्री-प्लेसमेंट टॉक्स व पूर्व प्रतिभाशाली छात्रों के साथ विचार-विमर्श के माध्यम से उनका मार्गदर्शन किया गया। इसके अलावा शिक्षकों व सीनियर साथियों के सहयोग व प्रेरणा ने भी इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए उत्साहित किया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की नई, सकारात्मक, कर्मठता व दूरदृष्टि सोच का ही परिणाम है कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों का देश के सबसे बड़े संस्थानों में चयन हुआ है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	7.7.22	6	1-4

एचएयू की एसएमएस सेवा से 4 लाख, एप्लीकेशन से 75 हजार से अधिक किसान जुड़े

अब एक क्लिक पर किसानों को मिलेंगे सब्जियों व फलदार पौधों की खेती के टिप्स

महबूब अली| हिसार

एचएयू द्वारा तैयार ई-मौसम सेवा एप्लीकेशन से 5 साल में अब तक 75 हजार से ज्यादा किसान जुड़ चुके हैं। इसके अलावा एसएमएस सेवा का 4 लाख से अधिक किसानों को लाभ दिया जा रहा है। अब एचएयू द्वारा तैयार ई-मौसम सेवा एप्लीकेशन को अपडेट किया है। मौसम के जिलेवार पूर्वानुमान, फसलों के साथ-साथ अब एप्लीकेशन पर एक क्लिक पर ही सब्जियों से लेकर विभिन्न फलों की खेती के भी टिप्स हिंदी भाषा में मिल सकेंगे। यही नहीं एचएयू के वैज्ञानिकों और कृषि विशेषज्ञों के एप पर दर्ज मोबाइल नंबरों पर क्लिक करते ही कॉल हो सकेगी। एचएयू के मौसम विभाग अध्यक्ष डॉ. मदन खीचड़ द्वारा डवपल की ई-मौसम सेवा एप्लीकेशन को अब हरियाणा सरकार और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने भी साइट पर जगह दी गई है। यहां से भी किसान एप्लीकेशन का लाभ उठा सकेंगे।

भारतीय कृषि अनुसंधान की साइट से एप का ले सकते हैं लाभ

विश्वविद्यालय ने किसानों को समर्पित की ई-मौसम एप्लीकेशन

एचएयू के कुलपति प्रोफेसर बीआर कम्बोज ने बताया कि 4 लाख से अधिक पंजीकृत किसानों को मौसम की जानकारी एसएमएस द्वारा प्रदान की जा रही है। मोबाइल ई-मौसम एसएमएस सेवा से जुड़ने के लिए किसान ई-मौसम एचएयू वेबसाइट पर ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं या कृषि अधिकारी को अपना नाम, पिता का नाम, गांव, तहसील, जिला तथा मोबाइल नंबर देकर पंजीकरण करवाया जा सकता है। हरियाणा के अलावा यूपी, दिल्ली, पंजाब, राजस्थान, उत्तराखंड आदि के किसान भी फसलों के बारे में एप पर जानकारी हासिल कर रहे हैं।

एप से ये मिलती हैं जानकारियां

- जिलेवार मौसम पूर्वानुमान व वैज्ञानिक तरीके से फसल प्रबंधन।
- मौसम आधारित कृषि सलाह व सेटेलाइट चित्र।
- फसलों, सब्जियों, फसलों में लगने वाले कीटों व रोगों का सचित्र विवरण व रोकथाम का उपाय।
- वैज्ञानिक एवं अधिकारियों के मोबाइल नंबर।
- किसानों की समस्या के समाधान की सूचनाएं।
- ई-मौसम एचएयू फेसबुक पेज, ट्विटर तथा व्हाट्सएप ग्रुप द्वारा भी किसानों को मौसम व कृषि संबंधित जानकारी दी जा रही है।

इन टोल फ्री नंबरों पर वैज्ञानिकों से होगी बात

- सोमवार, बुधवार, शुक्रवार हिसार में बात 10 से 12 बजे तक टोल फ्री नंबर 18001803001
- मंगलवार, वीरवार (उचानी) करनाल में बात 10 से 12 बजे तक टोल फ्री नंबर 18001803111
- कृषि मंत्रालय भारत सरकार 10 से 5 बजे तक टोल फ्री नंबर 18001801551 पर बात कर सकते है।

विश्वविद्यालय का उद्देश्य किसानों को नवीनतम कृषि तकनीकों तथा जानकारी से अपडेट करना है ताकि अधिक कृषि उत्पादन प्राप्त कर सके। ज्यादा से ज्यादा किसान विवि की ई-मौसम एप से जुड़ कर मौसम के साथ-साथ अन्य जानकारी लेकर अपनी कृषि उपज को बढ़ाएं।

-प्रोफेसर बीआर कम्बोज,
कुलपति, एचएयू, हिसार